

## वरल्ड सटीज़ रपिर्ट 2024

### प्रलिम्स के लयि:

[यून-हैबटिट](#), [आर्दर जलवायु](#), [गरीनहाउस गैस उत्सर्जन](#), [चक्रवात](#), [गरीन जेंट्रीफिकेशन](#), [संयुक्त राष्ट्र महासभा](#), [शहरीकरण](#), [असमानता](#), [मीथेन](#), [लैंडफलि](#), [शहरी ऊषमा द्वीप परभाव](#), [इलेक्ट्रिक वाहन](#), [गरीन रूफ](#), [शहरी वन](#), [शहरी नयिोजन](#), [गरीन बॉण्ड](#) ।

### मेन्स के लयि:

ग्लोबल वारमिंग में शहरों का योगदान । ग्लोबल वारमिंग से नपिटने में शहरों की भूमिका ।

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में यूएन-हैबटिट ने वरल्ड सटीज़ रपिर्ट 2024: सटीज़ एंड क्लाइमेट एक्शन जारी की है ।

- इस रपिर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कयिे शहर गरीनहाउस गैस उत्सर्जन में सबसे बड़े योगदानकर्त्ताओं में से हैं और इन पर जलवायु परिवर्तन के अत्यधिक गंभीर प्रभावों में असंगतता है ।

### वरल्ड सटीज़ रपिर्ट, 2024 के प्रमुख नषिकर्ष क्या हैं?

- तापमान में वृद्धि: वर्ष 2040 तक शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लगभग दो अरब लोगों को तापमान में 0.5 °C की वृद्धि का अनुभव होगा ।
  - 14% शहरों के शुष्क जलवायु में परिवर्तित होने की उम्मीद है जबकि कम से कम 900 शहर अधिक आर्दर जलवायु (वशिष रूप से उष्णकटबिधीय जलवायु क्षेत्र) में परिवर्तित हो सकते हैं ।
- समुद्र के जल स्तर में वृद्धि: वर्ष 2040 तक नचिले तटीय क्षेत्रों में स्थित 2,000 से अधिक शहरों (जनिमें से अधिकतर समुद्र के जल स्तर से 5 मीटर से भी कम ऊँचाई पर होंगे) के 1.4 बलियिन से अधिक लोगों को समुद्र-स्तर में वृद्धि के साथ तूफानी लहरों के कारण उच्च जोखिम का सामना करना पड़ेगा ।
- असंगत प्रभाव: शहरी क्षेत्र जलवायु परिवर्तन से असंगत रूप से प्रभावित होते हैं लेकिन गरीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी यह प्रमुख योगदान देते हैं, जसिसे ये बाढ़ और चक्रवात जैसे जलवायु उतार-चढ़ाव के प्रत अधिक संवेदनशील हो जाते हैं ।
- नविश की कमी: जलवायु-अनुकूल प्रणालियाँ वकिसति करने के लयि, शहरों को प्रत वर्ष अनुमानित 4.5 से 5.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता होती है । हालाँकि वर्तमान वतितपोषण केवल 831 बलियिन अमेरिकी डॉलर है, जो क वतितपोषण की कमी को दर्शाता है ।
- नदीय बाढ़: शहरों में बाढ़ का जोखिम काफी बढ़ गया है, वर्ष 1975 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में यह 3.5 गुना तेज़ी से बढ़ा है ।
  - वर्ष 2030 तक शहरों में 517 मलियन लोग नदी की बाढ़ से प्रभावित होंगे ।
- हरति स्थानों में गरिवट: शहरी हरति स्थानों में उल्लेखनीय गरिवट आई है, जो वर्ष 1990 के 19.5% से घटकर वर्ष 2020 में 13.9% रह गए हैं, जसिसे शहरों में पर्यावरणीय एवं सामाजिक दोनों तरह की चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं ।
- भेद्यता में वृद्धि: अनौपचारिक बस्तियाँ (झुग्गी-झोपड़ियाँ) भेद्यता की प्रमुख चालक हैं क्योकिये अक्सर बाढ़-प्रवण, नचिले इलाकों या अनश्चित क्षेत्रों में स्थित होती हैं ।
  - सुरकषात्मक बुनयादी ढाँचे की कमी के कारण ये जलवायु प्रभावों के प्रत अधिक संवेदनशील हो जाती हैं ।
- गरीन जेंट्रीफिकेशन: कुछ जलवायु हस्तक्षेपों (जैसे पार्कों के नरिमाण) के परणामस्वरूप गरीन जेंट्रीफिकेशन से वंचित समुदायों को वसिथापति होना पड़ा है ।
- जेंट्रीफिकेशन का आशय है क कम आय वाले क्षेत्र में धनी नविसयिों और व्यवसायों के आगमन के कारण परिवर्तन होता है, जसिके परणामस्वरूप संपत्तिके मूल्य एवं करिए में वृद्धि होती है ।

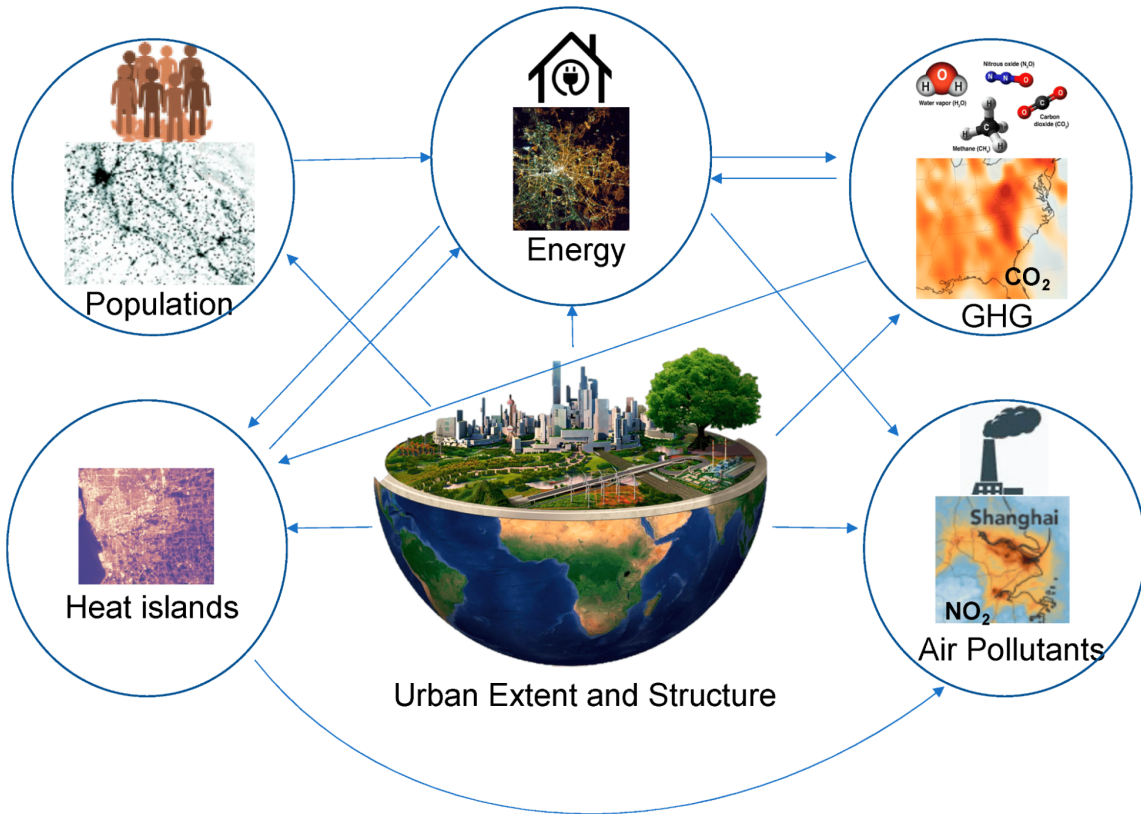
### यून-हैबटिट

- **अधदेश:** **संयुक्त राष्ट्र महासभा** द्वारा स्थापित यूएन-हैबिटैट सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से **धारणीय शहरी विकास को बढ़ावा देने** पर बल देता है।
- **वैश्विक फोकल प्वाइंट:** यह शहरीकरण और मानव बस्ती संबंधी मुद्दों के लिये संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के तहत प्रमुख एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
- **मुख्य मशिन:** इसका उद्देश्य **समावेशी, सुरक्षित, लचीले और टिकाऊ शहरों** एवं समुदायों का निर्माण करना तथा **असमानता, भेदभाव और गरीबी को कम** करना है।
- **वैश्विक उपस्थिति:** यह ज्ञान साझाकरण, नीतित्व सलाह और तकनीकी सहायता के माध्यम से शहरी क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव को बढ़ावा देने के लिये **90 से अधिक देशों में कार्यरत है।**
- **रणनीतिक दृष्टिकोण (2020-2023 योजना):** 21वीं सदी की शहरी चुनौतियों से निपटने के लिये एक समग्र एवं एकीकृत रणनीति पर बल दिया गया है।
- **चार मुख्य भूमिकाएँ:**
  - **थक:** मानक कार्य, अनुसंधान, क्षमता निर्माण, नीति निर्माण और वैश्विक मानक स्थापित करने में संलग्न होना।
  - **कार्य:** टिकाऊ शहरीकरण को समर्थन देने के लिये तकनीकी सहायता एवं संकट प्रतिक्रिया परियोजनाएँ विकसित करना।
  - **साझाकरण:** विकास योजनाओं और नवियों में परिवर्तन को प्रेरित करने के लिये संचार और आउटरीच को महत्त्व देना।
  - **साझेदारी:** शहरीकरण की चुनौतियों से निपटने के लिये **सरकारों, अंतर-सरकारी निकायों, नागरिक समाज, शिक्षा जगत तथा नजीक क्षेत्र** के साथ कार्य करना।

## शहरी क्षेत्र ग्लोबल वार्मिंग में किस प्रकार योगदान देते हैं?

- **ऊर्जा खपत:** ऊर्जा-गहन उद्योग, परिवहन, तथा उच्च घनत्व वाले आवासीय और वाणिज्यिक भवन शहरी क्षेत्रों में केंद्रित हैं, जो विश्व भर में अंतिम ऊर्जा उपयोग के **CO2 उत्सर्जन में 71-76%** का योगदान करते हैं।
  - शहरी जीवनशैली ऊर्जा-प्रधान होती है, जिसमें भवनों में **बजिली, हीटिंग और शीतलन जैसी प्रणालियों की उच्च मांग** होती है।
- **औद्योगिक गतिविधियाँ:** कारखाने और बजिली संयंत्र जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग करते हैं, **कार्बन डाइऑक्साइड (CO2), मीथेन (CH4), और नाइट्रस ऑक्साइड (N2O)** सहित विभिन्न ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में योगदान करते हैं।
- **भूमि उपयोग में परिवर्तन:** आवास, बुनियादी ढाँचे और औद्योगिक विकास के लिये भूमि को साफ करने से **पृथ्वी की कार्बन को अवशोषित करने तथा संग्रहीत करने की क्षमता कम हो जाती है।**
  - अनुमान है कि वर्ष **2015 और 2050 के बीच** शहरी भूमि क्षेत्रों की वृद्धि तीन गुनी से भी अधिक हो जाएगी, जिसके परिणामस्वरूप **वनोन्मूलन और आवासीय वनाश** होगा।
- **अपशिष्ट उत्पादन और लैंडफिल:** जैविक अपशिष्ट का लैंडफिल में वधित होने से **मीथेन नामक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जित** होती है, जिसकी ग्लोबल वार्मिंग क्षमता CO2 से कई गुना अधिक है।
- **अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट:** शहर, विशेष रूप से वे शहर जिनमें **कंक्रीट, डामर और भवन शामिल** हैं, ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक ऊष्मा को अवशोषित और बनाए रखते हैं, जिससे **अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट** उत्पन्न होता है।

//



## ग्लोबल वार्मिंग से शहर किस प्रकार प्रभावित होते हैं?

- **हीटवेव:** ग्लोबल वार्मिंग के कारण वैश्विक तापमान और हीटवेव की आवृत्ति में भी वृद्धि हो रही है। उदाहरण के लिये, भारत में हीटवेव जैसी घटनाएँ देखने को मिलती हैं।
- **अर्बन हीट आइलैंड (UHIs):** UHIs महानगरीय क्षेत्र हैं जो ताप अवशोषित करने वाली सतहों और ऊर्जा उपयोग के कारण आसपास के क्षेत्रों की तुलना में अधिक गर्म होते हैं।
- **तटीय बाढ़:** जैसे-जैसे तापमान में वृद्धि होती है, ग्लेशियर और बर्फ की चादरें पघिलती हैं, जिससे महासागरों में जल की मात्रा बढ़ने से समुद्र का जल स्तर बढ़ जाता है।
  - इससे तटीय क्षेत्र जलमग्न, समुदाय वसिस्थापति, तथा पारस्थितिकी तंत्र बाधित हो जाते हैं।
- **वनाग्नि का मौसम:** बढ़ते तापमान और दीर्घकालिक सूखे के कारण वनाग्नि मौसम की अवधि अधिक और तीव्र हो गई है, जिससे आग लगने का खतरा बढ़ गया है।

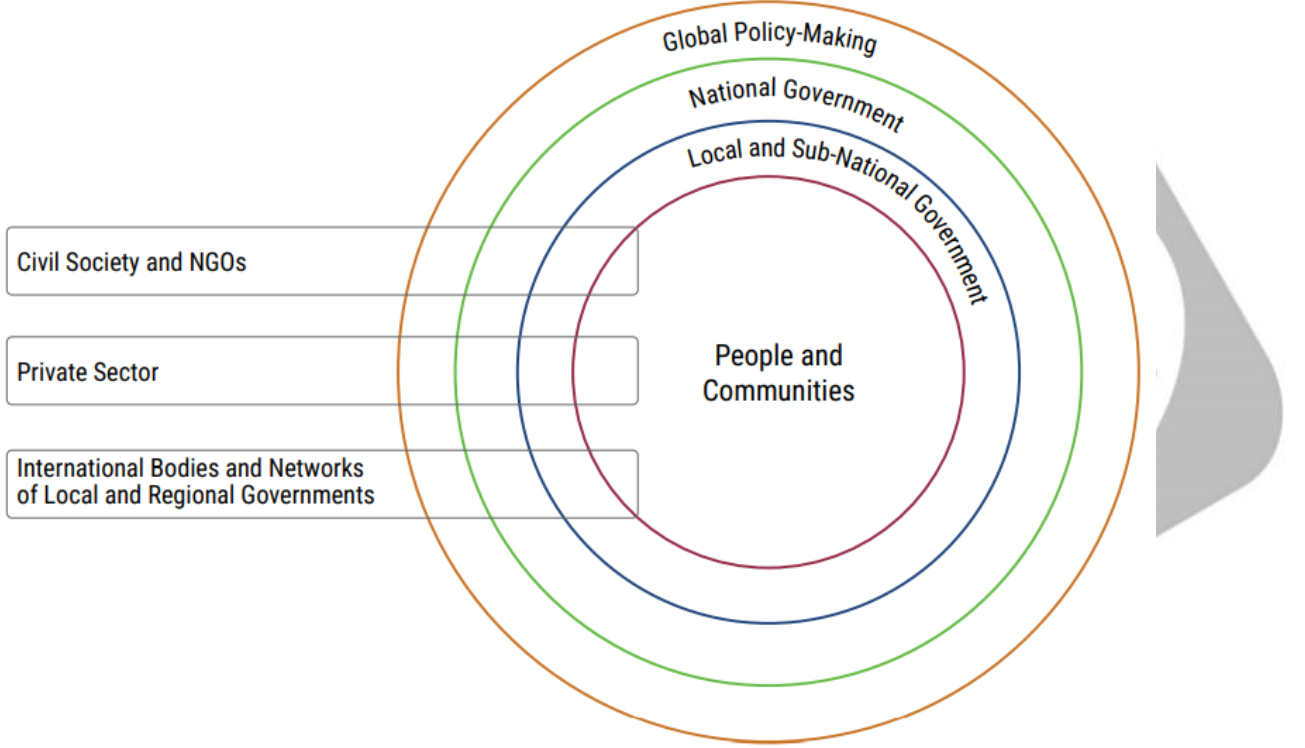
## शहरी क्षेत्रों में तापमान वृद्धि से निपटने के लिये भारत की प्रमुख पहल:

- [स्मार्ट सटी मशिन](#)
- [अमृत मशिन](#)
- [स्वच्छ भारत मशिन-शहरी](#)
- [भारत में \(हाइबरडि और\) इलेक्ट्रिक वाहनों के तेजी से अपनाने और वनिरिमाण \(FAME India\) योजना](#)
- [ग्रीन एनर्जी कॉरडोर \(GEC\)](#)

## आगे की राह

- **समुत्थानशील बुनियादी ढाँचा:** बुनियादी ढाँचा GHG को कम करने में मुख्य भूमिका निभाता है, जो कुल उत्सर्जन के 79% के लिये ज़िम्मेदार है और 72% SDG लक्ष्यों को पूरा करने के लिये महत्वपूर्ण है।
  - बुनियादी ढाँचे को जलवायु प्रभावों का सामना करने के लिये डिज़ाइन किया जाना चाहिये तथा सामुदायिक भेद्यता को बढ़ाने वाले सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों का समाधान करना चाहिये।
- **हरति ऊर्जा:** सार्वजनिक परिवहन का वदियुतीकरण और [इलेक्ट्रिक वाहनों](#) को बढ़ावा देने से व्यक्तिगत और सामूहिक गतिशीलता के कार्बन पदचिह्न में कमी आएगी।

- **विविध वित्तपोषण मशीन:** वित्तीय अंतराल को पाटने के लिये, अच्छी तरह से संरचित ऋण और ऋण सुवर्धिएँ शहरों को दीर्घकालिक जलवायु समाधानों में निवेश करने में सहायता कर सकती हैं।
  - जलवायु-अनुकूल ऋण और **ग्रीन बॉण्ड** सहित **कफ़ायती वित्तपोषण मॉडल**, शहरों को जलवायु परियोजनाओं के लिये आवश्यक पूंजी सुरक्षा करने में मदद कर सकते हैं।
- **शहरी कार्बन सकि:** शहर प्रकृति आधारित समाधानों जैसे कि **हरति छतों, शहरी वनों और पार्कों** में निवेश करके उत्सर्जन को कम कर सकते हैं जो कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं।
  - सघन **शहरी नियोजन** से शहरी वसति कम होता है, जिससे व्यापक यात्रा की आवश्यकता कम होती है और संबंधित उत्सर्जन कम होता है।
- **परपितर अपशषिट प्रबंधन:** प्रभावी अपशषिट प्रबंधन पद्धतियों, जैसे **पुनरचकरण और खाद बनाना**, लैंडफिल से मीथेन उत्सर्जन को रोकती हैं।
- **समग्र समाज दृष्टिकोण:** सरकारी स्तरों के बीच **ऊर्धवाधर समन्वय तथा विभिन्न क्षेत्रों और हतिधारकों के बीच क्षेत्रजि समन्वय**, सुसंगत, समावेशी और प्रभावी जलवायु कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिये महत्त्वपूर्ण है।



- **स्थानीय क्षमताओं को सुदृढ़ बनाना:** स्थानीय सरकारें अपने समुदायों की **वशिषिट चुनौतियों** और **आवश्यकताओं** को समझने के कारण, उनके **अनुरूप, स्थानीय रूप से उपयुक्त समाधान** विकसित करने के लिये सर्वोत्तम स्थिति में होती हैं।
  - जीवनशैली में बदलाव को प्रोत्साहित करने से, जैसे नज्ी वाहन के उपयोग के स्थान पर पैदल चलना, बाइक चलाना और कारपूलगि को प्राथमकता देना, मांग को और कम कर सकता है।

## नषिकर्ष

वर्ल्ड सटिज़ रिपोर्ट 2024 में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के लिये शहरों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया गया है, जिसमें उनकी भेद्यता और वैश्विक तापमान वृद्धि में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया है। प्रभावी समाधानों के लिये **लचीले बुनयादी ढाँचे, हरति ऊर्जा और सर्कुलर अपशषिट प्रबंधन की आवश्यकता है** जिससे जलवायु-अनुकूल एवं समावेशी शहरी वातावरण निर्माण के लिये विविध **वित्तपोषण और स्थानीयकृत कार्यों** द्वारा समर्थति किया जाता है।

?????? ???? ???? ????:

**प्रश्न:** चर्चा कीजिये कि शहरी क्षेत्र ग्लोबल वार्मिंग में कसि प्रकार योगदान देते हैं तथा उनके प्रभाव को कम करने के लिये क्या उपाय आवश्यक हैं।

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न**

?????????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि:(2021)

1. 'शहर का अधकिार' एक सहमत मानव अधकिार है और संयुक्त राष्ट्र-आवास इस संबंध में प्रत्येक देश द्वारा की गई प्रतबिद्धताओं की नगिरानी करता है ।
2. 'शहर का अधकिार' शहर के प्रत्येक नविसी को सार्वजनकि स्थानों और शहर में सार्वजनकि भागीदारी को पुनः प्राप्त करने का अधकिार देता है ।
3. शहर का अधकिार' का अर्थ है किराज्य, शहर में अनधकृत कॉलोनियों को कसिी भी सार्वजनकि सेवा या सुवधा से वंचति नहीं कर सकता है ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 2
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: C

प्रश्न. बेहतर नगरीय भवषिय की दशिा में कार्यरत संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम में संयुक्त राष्ट्र पर्यावास (UN-Habitat) की भूमकिा के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)

1. संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा संयुक्त राष्ट्र पर्यावास को आज्ञापति कथिा गया है कविह सामाजकि एवं पर्यावरणीय दृष्टि से धारणीय ऐसे कस्बों एवं शहरों को संवर्द्धति करे जो सभी को पर्याप्त आशर्य प्रदान करते हों ।
2. इसके साझीदार सरिफ सरकारें या स्थानीय नगर प्राधकिरण ही हैं ।
3. संयुक्त राष्ट्र पर्यावास, सुरक्षति पेयजल व आधारभूत स्वच्छता तक पहुँच बढ़ाने और गरीबी कम करने के लयि संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के समग्र उद्देश्य में योगदान करता है ।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) 1, 2 और 3
- (b) केवल 1 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) केवल 1

उत्तर: (b)

?????????

प्रश्न: पछिले कुछ वर्षों में भारी बारशि के कारण शहरी बाढ़ की आवृत्तिबढ़ रही है । शहरी बाढ़ के कारणों पर चर्चा करते हुए, ऐसी घटनाओं के दौरान जोखमि को कम करने के लयि तैयारयिों के तंत्र पर प्रकाश डालयि । (2016)